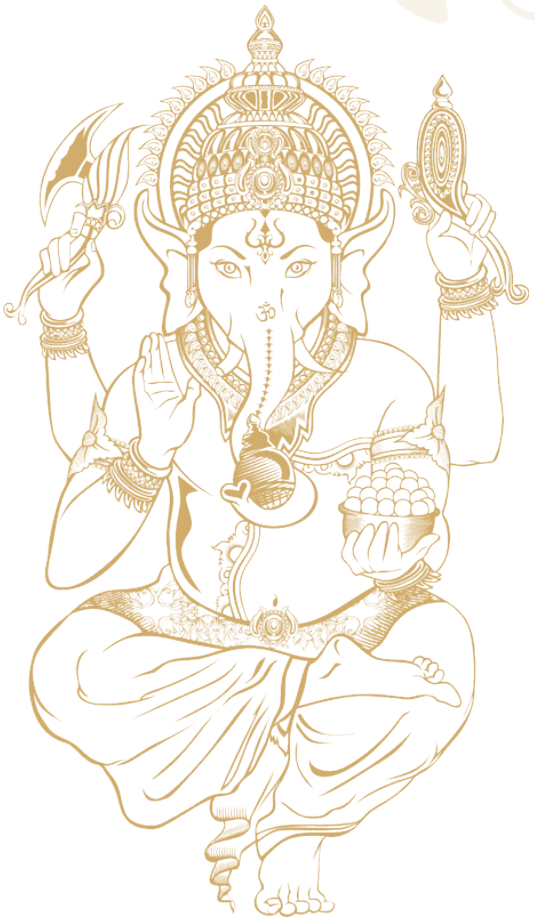

Mr.a

Ms.k

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119742202

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
30-31/08/1996 :	जन्म तिथि	: 16/04/2000
शुक्र-शनिवार :	दिन	: रविवार
घंटे 04:29:00 :	जन्म समय	: 19:35:00 घंटे
घटी 56:23:10 :	जन्म समय(घटी)	: 34:17:08 घटी
India :	देश	: India
Saharanpur :	स्थान	: Behat
29:58:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:09:00 उत्तर
77:33:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:36:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:48 :	स्थानिक संस्कार	: -00:19:36 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
05:55:44 :	सूर्योदय	: 05:51:45
18:43:16 :	सूर्यास्त	: 18:47:30
23:48:41 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:24

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 3वर्ष 1मा 28दि		24:33:08	कर्क	लग्न	तुला	13:58:27	सूर्य 1वर्ष 4मा 10दि	
शुक्र		14:00:51	सिंह	सूर्य	मेष	03:01:35	राहु	
29/10/2023		14:26:56	मीन	चंद्र	कन्या	06:58:14	28/08/2018	
29/10/2043		29:56:21	मिथु	मंगल	मेष	23:56:19	27/08/2036	
शुक्र	27/02/2027	08:49:27	कन्या	बुध	मीन	11:43:34	राहु	10/05/2021
सूर्य	28/02/2028	14:01:47	धनु व	गुरु	मेष	18:54:24	गुरु	03/10/2023
चन्द्र	28/10/2029	28:35:40	मिथु	शुक्र	मीन	18:14:36	शनि	09/08/2026
मंगल	29/12/2030	12:07:02	मीन व	शनि	मेष	23:30:13	बुध	26/02/2029
राहु	28/12/2033	14:24:59	कन्या	राहु व	कर्क	05:45:34	केतु	16/03/2030
गुरु	28/08/2036	14:24:59	मीन	केतु व	मक	05:45:34	शुक्र	16/03/2033
शनि	29/10/2039	07:27:32	मक व	हर्ष	मक	26:21:41	सूर्य	08/02/2034
बुध	29/08/2042	01:30:55	मक व	नेप	मक	12:35:06	चन्द्र	09/08/2035
केतु	29/10/2043	06:38:21	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	18:46:05	मंगल	27/08/2036

लग्न-चलित

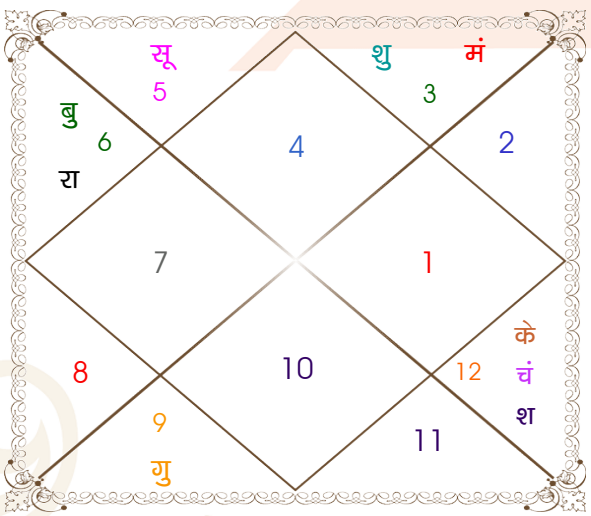

लग्न-चलित

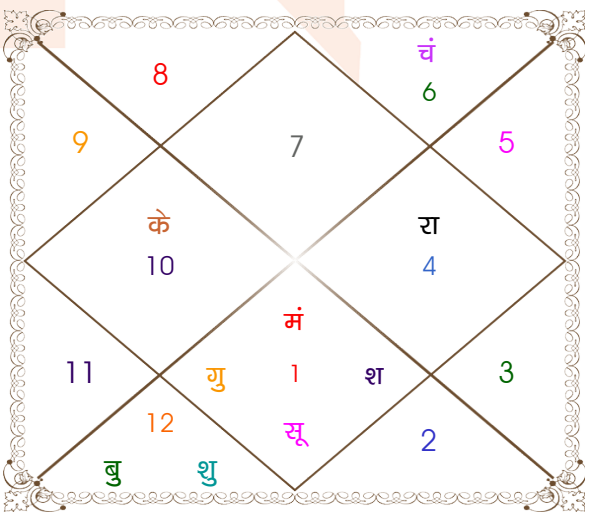

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	गौ	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	कन्या	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.00		

Mr.a का वर्ग सिंह है तथा Ms.k का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.a और Ms.k का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.a मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.a कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.k मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.k कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।

विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.k कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms.k कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.a कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.a तथा Ms.k में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।